जाके प्रिय ना राम बैदेही

जाके प्रिय ना राम-बैदेही,
सो छाड़िये कोटि बैरी सम, जद्यपि परम स्नेही |

तज्यो पिता प्रह्लाद, विभिसन बंधू, भारत महतारी |
बलि गुरु तज्यो, कान्त ब्रज्बनितनी, भये मुद-मंगलकारी ||

नाते नेह राम के मनियत, सुह्रद सुसेव्य जहाँ लॉन |
अंजन कहा अंखि फूटी. बहु तक कहूं कहाँ लौं ||

तुलसी सो सब भांति परम हित, पूज्य प्राण ते प्यारो |
जासों होया सनेह रामपद एतो मतों हमारो ||

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/57/title/jaake-priye-na-raam-baidehi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |